णसी जागरण

बालादेवी ने भरतनाट्यम से बनारस के सुधिजनों को बांधा

जागरण संवाददाता, वाराणसी : कला प्रकाश व आर्य महिला पीजी कालेज के संयुक्त तत्वावधान में कालेज के सभागार में रविवार को 'कर्ण नियति का बालक' शीर्षक पर नृत्य संध्या का आयोजन किया गया। यह शाम सात समंदर पार संयुक्त राज्य अमेरिका में भरतनाट्यम का प्रशिक्षण दे रहीं प्रख्यात नृत्यांगना श्रीमती बालादेवी चंद्रशेखर को समर्पित रही जहां नई पीढ़ी संग पुरनिए शास्त्रीय नृत्य की गूढ़ विधाओं को अपने चक्षुओं में समेटते दिखे।

इस शाम बालादेवी चंद्रशेखर ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति कर दर्शकों को अपने मोहपाश में बांध लिया। चार भागों में भरतनाट्यम प्रभावपूर्ण ढंग से पेश की। प्रस्तुत नृत्य में महान योद्धा कर्ण के जीवन चरित्र का बखूबी बखान किया। श्रीमती पद्मा सुब्रमण्यम की शिष्या श्रीमती बालादेवी ने नृत्य नाटिका की प्रस्तुति के दौरान कर्ण के जन्म से लेकर दुर्योधन से मैत्री, महाभारत युद्ध में साझेदारी व अंत में भगवान श्रीकृष्ण के साथ उनके संवाद आदि की बेहतरीन प्रस्तुति की। नाट्यलेख की प्रस्तुति डा. बृजबाला सिंह की रही।

मुख्य अतिथि पद्मभूषण पं. छन्नूलाल मिश्र ने नृत्यांगना बालादेवी चंद्रशेखर को कलारत्न सम्मान व अभिनंदन पत्र प्रदान किया। अतिथियों व कलाकारों का स्वागत कालेज के प्रबंधक डा.शशिकांत दीक्षित ने किया। इस दौरान शास्त्रीय संगीत के संरक्षण में सतत सक्रिय दिल्ली से पधारीं श्रीमती सुमन डूंगा सहित अन्य विशिष्टजन, महाविद्यालय की शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। संचालन डा. चंद्रकांता राय व धन्यवाद प्रकाश कला प्रकाश के अध्यक्ष अशोक कपूर ने किया।

नृत्य नाटिका की एक भावपूर्ण मुद्रा मे श्रीमती बालादेवी चंद्रशेखर ● जागरण

नवोदितों को मिलेगा सशक्त मंच : सुमन

वाराणसी : काशी के नवोदित कलाकारों को सशक्त मंच देने की दिशा में ठोस व कारगर पहल की गई है। सांस्कृतिक संस्था कला प्रकाश सहित अन्य संस्थाओं को साथ लेकर व्यापक स्तर पर शास्त्रीय संगीत के उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। यह बात शास्त्रीय संगीत के संरक्षण में सतत सक्रिय दिल्ली की सुमन डूंगा ने जागरण से बातचीत में कही। बोलीं काशी में कोई भी आयोजन संगीत समारोह या उत्सव नहीं बल्कि अनुष्ठान है क्योंकि यह देवाधिदेव बाबा भोलेनाथ की नगरी है।

आर्य महिला में भरतनाट्यम की प्रस्तुति

वाराणसी। कला प्रकाश एवं आर्य महिला पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 'कर्ण- नियती का बालक' शीर्षक पर भरतनाट्यम की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम में प्रतिष्ठीत नृत्यांगना बालादेवी चंद्रशेखर ने कर्ण के जन्म से लेकर दुर्योधन से मैत्री,महाभारत युद्ध व कृष्ण के साथ उनका संवाद आदि बातों पर नृत्य के माध्यम से प्रस्तुति दी। बाला देवी वर्तमान में अमेरीका में नृत्य की शिक्षिका हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मभूषण पं. छन्नूलाल थे। स्वागत भाषण डॉ.शशिकांत दीक्षित व धन्यवाद अशोक कपूर ने दिया। इस अवसर पर बालादेवी चंद्रशेखर को कलारत्न सम्मान व अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भरतनाट्यम पेश करतीं बालादेवी

बालादेवी के भरतनाट्यम में उभरा कर्ण का चरित्र

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

आर्य महिला पीजी कॉलेज में रविवार को नृत्यांगना बालादेवी चंद्रशेखर ने भारतनाट्यम प्रस्तुति से मन मोह लिया। उन्होंने 'कर्ण-नियति' नृत्य नाटिका के माध्यम से कर्ण के जन्म से लेकर दुर्योधन से मैत्री, महाभारत में युद्ध में साझेदारी और भगवान कृष्ण के साथ उनका संवाद नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मभूषण पंडित छन्नूलाल थे। स्वागत शशिकांत दीक्षित ने किया। इस मौके पर कला प्रकाश के अध्यक्ष अशोक कपूर, डॉ.बृजबाला सिंह, डॉ.चंद्रकांता राय आदि मौजूद थीं।

भारतनाट्यम प्रस्तुत करतीं बालादेवी।